सॉरी माय हिन्डी इज रियली बैड...!

अमिताभ पाराशर नई दिल्ली

हिन्दुस्तान पृ. 16
22/9/08

- सितारे खाते हैं हिन्दी की, गाते हैं अंग्रेजी की
- फिल्मों की स्क्रिप्ट अंग्रेजी में मांगते हैं

'आय एम सो सॉरी.. माय हिन्डी इज रियली बैड.. आय विल स्पीक इन इंग्लिश..'। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से आई हिन्दी फिल्म की नई हीरोइन के इस बयान ने दर्जनों की तादाद में मौजूद पत्रकारों को जरा भी नहीं चौंकाया जो उसकी प्रेस कांफ्रेंस में आए थे। हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री में हिन्दी की कोई पूछ नहीं है। बॉलीवुड का हीरो शूटिंग के वक्त अपने डायलॉग भर हिंदी में बोलता है। अधिकतर हीरोइनें अपने मेकअप मैन, ड्राइवर और स्पॉट ब्वॉय तक को अंग्रेजी में डांटती हैं।

तो ऐसे स्टार हिन्दी फिल्मों में काम कैसे करते हैं? इनके लिए फिल्मों के संवाद अंग्रेजी में लिखे जाते हैं। यानी हिन्दी को अंग्रेजी में लिखा जाता है। रोमन अक्षरों की मदद से। हिन्दी फिल्मों की स्क्रिप्ट (पटकथा) हिन्दी की बजाय अंग्रेजी में लिखी जाती है। ऐसा करना मजबूरी है क्योंकि न तो स्टार को और न ही नई जमात के डायरेक्टर को हिन्दी समझ में आती है। ये अंग्रेजी स्कूलों में पढ़े नए जमाने के लोग हैं जिनके लिए 'माय हिन्डी इज रियली बैड' बोलना फैशन स्टेटमेंट है। श्याम बेनेगल की एक नई कॉमेडी फिल्म 'वेलकम टू सज्जनपुर' है। इसकी जो प्रचार सामग्री पत्रकारों को भेजी गई है, उसमें सज्जनपुर, निचे, बनिया के दुकान के पिछे, बिच चौराहे पर, स्वास्थ केन्द्र.. जैसे हिन्दी के शब्द लिखे गए हैं। ब्रिटेन में पली-बढ़ी कैटरीना कैफ या जिया खान ही नहीं, बहराइच, आगरा और हरिद्वार जैसे छोटे शहरों से आई हीरोइनें भी अंग्रेजी में लिखी स्क्रिप्ट की मांग करने लगी हैं।

नतीजा यह है कि सौरभ शुक्ला, पीयूष मिश्रा जैसे लेखकों के लिखे हिन्दी संवादों और पटकथाओं का अंग्रेजी अनुवाद किया जाता है। फिल्मी लेखकों के संघ फिल्म राइटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हसन कमाल कहते हैं , 'ऐसे माहौल में मैं लेखक बनने के लिए संघर्षशील लोगों से कहता हूं कि हिन्दी की बजाय अपनी अंग्रेजी सुधारो।'